ये अव्यक्त इशारे

अपवित्रता के बीज को भी समाप्त कर सम्पूर्ण स्वच्छ (पवित्र) बनो

25-08-2026

पवित्रता फाउण्डेशन है और फाउण्डेशन का ब्रह्मचर्य व्रत धारण करना ये कॉमन बात है लेकिन अभी आगे बढ़े हो तो बचपन की स्टेज नहीं है, अभी तो वानप्रस्थ स्थिति में जाना है। मैं ब्रह्मचारी तो रहता हूँ पवित्रता तो है ही, सिर्फ इसमें खुश नहीं हो जाओ। मूल फाउण्डेशन अपने संकल्प को शुद्ध बनाओ, ज्ञान स्वरूप बनाओ, शक्ति स्वरूप बनाओ।

Finish the seed of impurity and become completely clean (pure).

Purity is the *foundation*. So, to make the vow of celibacy for the foundation is common. However, you have now moved forward and so you are no longer in the stage of childhood. You now have to go into the stage of retirement. "I do remain celibate, I have purity anyway". Do not become happy with just that. Make your mind, your main foundation, pure. Make it an embodiment of this knowledge and an embodiment of power.